भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या : 462
गुरुवार, 6 फरवरी, 2025 (17 माघ, 1946 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

हवाई पट्टियों का परिचालन

462. श्री बृजमोहन अग्रवाल:
श्री दुलू महतो:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार रोजगार के क्षेत्रीय अवसरों की संभावना को ध्यान में रखते हुए, अपने अधिकार क्षेत्र में अप्रयुक्त/अल्पउपयोगित हवाई पट्टियों के संचालन पर चर्चा करने के लिए छत्तीसगढ़ और झारखंड सहित विभिन्न राज्य सरकारों के साथ स्वप्रेरणा बैठकें आयोजित करेगी;

(ख) क्या सरकार को पता है कि उक्त अप्रयुक्त/अल्पउपयोगित हवाई पट्टियों के संचालित होने से क्षेत्रीय आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा तथा इन क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे;

(ग) यदि हां, तो उक्त हवाई पट्टियों को सक्रिय करने और चालू करने के लिए कार्य-योजना का ब्यौरा क्या है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं तथा इस संबंध में प्रस्तावित समय-सीमा क्या है?

उत्तर
नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ) नागर विमानन मंत्रालय (एमओसीए) ने दिनांक 21 अक्टूबर, 2016 को क्षेत्रीय संपर्क योजना - उड़े देश का आम नागरिक (आरसीएस-उड़ान) शुरू की है। आरसीएस-उड़ान एक बाजार संचालित तंत्र है। योजना में शामिल किए जाने हेतु राज्य सरकारों/पीएसयू/निजी स्वामियों द्वारा अनुशंसित हवाईपट्टियों सहित देश की असेवित और अल्पसेवित हवाईपट्टियों की एक अस्थायी सूची को योजना की सूची में शामिल किया गया है। अधिक गंतव्यों/स्टेशनों और मार्गों को कवर करने के लिए समय-समय पर बोली प्रक्रिया के दौर आयोजित किए जाते हैं और विशेष मार्गों पर मांग के उनके आकलन के आधार पर, इच्छुक एयरलाइनें उड़ान योजना के तहत बोली के समय अपने प्रस्ताव प्रस्तुत करती हैं। वैध बोली के माध्यम से चिह्नित किए जाने के पश्चात, बाधाओं से मुक्त भूमि के प्रावधान और हवाईअड्डे के विकास के लिए राज्य सरकार/हवाईपट्टी के स्वामी की सहमति मांगी जाती है।

अबतक, 53 असेवित हवाईपट्टियों सहित 88 हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 619 मार्गों को चालू किया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य में जगदलापुर, बिलासपुर और अंबिकापुर की पहचान, विकास और उड़ान योजना के तहत संचालन किया गया है। झारखंड राज्य में 06 हवाईअड्डों अर्थात् बोकारो, दुमका, जमशेदपुर, हजारीबाग, देवघर और डाल्टनगंज को उड़ानों के विकास और संचालन के लिए पहचाना गया है। जमशेदपुर और देवघर हवाईअड्डों का संचालन किया जा

चुका है। बोकारो और दुमका में विकास कार्य पूरा हो चुका है और लाइसेंसिंग का काम प्रगति पर है। झारखंड राज्य सरकार द्वारा हजारीबाग और डाल्टनगंज हवाईअड्डों के विकास के लिए अभी आवश्यक भूमि उपलब्ध कराई जानी है।

एक हवाईअड्डे के संचालन से, पारिस्थितिकी तंत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के कई अवसर पैदा होते हैं। क्षेत्र में व्यापार, उद्योग और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना होती है।

****